EK BHARAT SHRESHTHA BHARAT ACTIVITIES BY INDIATOURISM (WEST & CENTRAL REGION) FOR THE MONTH OF FEBRUARY 2021

MINISTRY OF TOURISM SUPPORTED A THREE-DAY ANNUAL CONVENTION OF ADTOI HELD AT KEVADIA, GUJARAT

Sr. No	Activities by India Tourism Mumbai	Month of Activity	Proposed Activity	Details of the Activity	Paired States involved	No. of Participants / Attendees	Any other relevant information
01	Ek Bharat Shreshtha Bharat Branding at ADTOI Annual convention	February 2021	Ek Bharat Shreshtha Bharat Branding during ADTOI 10th Annual Convention-cum-Exhibition at the Statue of Unity (SOU), Tent City 2	The three-day ADTOI 10th Annual Convention-cum-Exhibition at the Statue of Unity (SOU), Tent City 2 in Kevadia was held from 12-14 Feb. 2021. The theme of the convention was: 'Domestic Tourism – Hope for the revival- Dekho Apna Desh'. This three-day convention was jointly organized by the Ministry of Tourism and ADTOI with support from Gujarat	All states and UTs paired under EBSB Initiative.	**400** Participants comprising of ADTOI Members, Officials of Ministry of Tourism, Gujarat Tourism and invited media	8 invited media journalists from Raipur, Chhattisgarh also attended the ADTOI convention as Gujarat and Chhattisga

			in Kevadia was held from 12-14 Feb. 2021.	Tourism. The objective of the conference was towards building public confidence to travel for the revival of domestic tourism in the country and was attended by around 400 delegates comprising of ADTOI members from across India, hoteliers, airlines representatives, senior government officials, media-persons among other stakeholders of the tourism industry. Secretary, Ministry of Tourism was the chief Guest and Additional Director General (Tourism) attended this Convention. The Ministry of Tourism invited 34 media persons from Delhi, Mumbai, Bhopal, Chennai and Raipur to participate in the convention and showcase the Kevadia Circuit to the media.			rh are paired state under EBSB initiative.

				India Tourism Mumbai coordinated the logistics for the stay and travel of the 34-member media team including **8 invited media journalists from Raipur, Chhattisgarh** as Gujarat and Chhattisgarh are paired state under EBSB and also undertook a **massive branding of EBSB Paired states** all across the venue.			

Welcome You

adtoi
ciation of Domestic Tour
erators of India (ADTOI)
EK BHARAT SHRESHTH
CON
12
FEBRU

adtoi
Association of Domestic Tour
Operators of India (ADTOI)
Welcome You
CONVENTION
12
13
14

P P Khanna
Mr. Rajesh Arya (Vice President)
(Chairman - Chapter Coordination)
Mr. Pinkal Shah
(Chairman - Reception & Hospitality)
Anil K Rajput

adtoi
Association of Domestic Tour Operators of India (ADTOI)
Welcome You
अतुल्य भारत
Incredible India
देखो अपना देश
CONVENTION
12 13 14
FEBRUARY 2021
Mr. P P Khanna
Mr. Chetan Gupta

CONFERENCE HALL - 1
EK BHARAT SHRESHTHA BHARAT
Celebrating the unique diversities of
MANIPUR, NAGALAND & MADHYA PRADESH
MANIPUR
NAGALAND
Powering and Empowering Domestic Tourism
Ministry of Tourism Supports ADTOI
MADHYA PRADESH
EK BHARAT SHRESHTHA BHARAT
Celebrating the unique diversities of
GOA & JHARKHAND
GOA
Powering and Empowering Domestic Tourism
JHARKHAND

CONFERENCE HALL 1
पुदुचेरी
दमन और दीव
दादरा नगर और हवेली
चंडीगढ़

CONFERENCE HALL 1
गुजरात
छत्तीसगढ़
ओडिशा
महाराष्ट्र

अतुल्य भारत
Incredible India
Dekho Apna Desh
Government of India
Ministry of Tourism
adtoi
एक भारत श्रेष्ठ भारत
पुदुचेरी एवं दमन और दीव
की अद्वितीय विविधताओं का उत्सव
पुदुचेरी
घरेलू पर्यटन का संवर्धन एवं सशक्तीकरण
एडीटीओआई को पर्यटन मंत्रालय का समर्थन
दमन और दीव

अतुल्य भारत
Incredible India
Dekho Apna Desh
Government of India
Ministry of Tourism
adtoi
EK BHARAT SHRESHTHA BHARAT
Celebrating the unique diversities of
HIMACHAL PRADESH & KERALA
HIMACHAL PRADESH
Powering and Empowering Domestic Tourism
Ministry of Tourism Supports ADTOI
KERALA
TRAVTALK
adtoi
trave
Whereabo
THE VOICE
CHANDIGA

अतुल्य भारत
Incredible India
Dekho Apna Desh
adtoi
EK BHARAT SHRESHTHA BHARAT
Celebrating the unique diversities of
HARYANA & TELANGANA
HARYANA
SMOKING
Powering and Empowering Domestic Tourism
Ministry of Tourism Supports ADTOI
TELANGANA

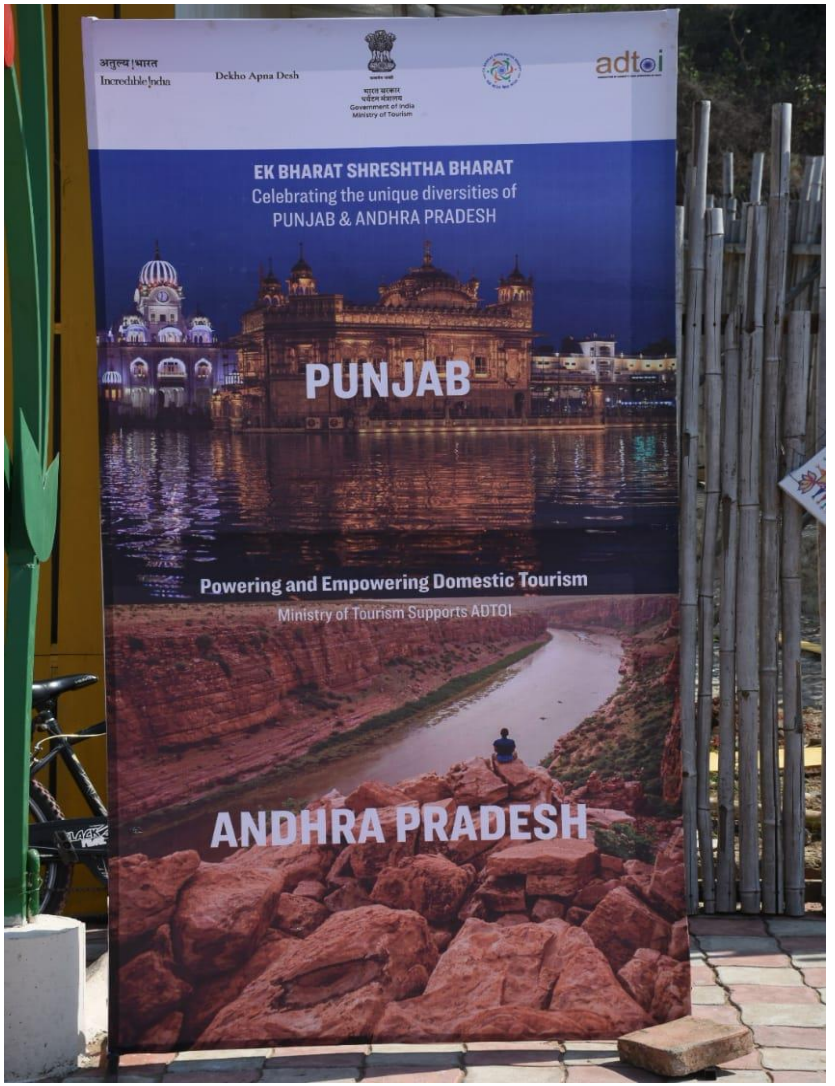
अतुल्य भारत
Incredible India
Dekho Apna Desh
Government of India
Ministry of Tourism
adtoi
EK BHARAT SHRESHTHA BHARAT
Celebrating the unique diversities of
PUNJAB & ANDHRA PRADESH
PUNJAB
Powering and Empowering Domestic Tourism
Ministry of Tourism Supports ADTOI
ANDHRA PRADESH

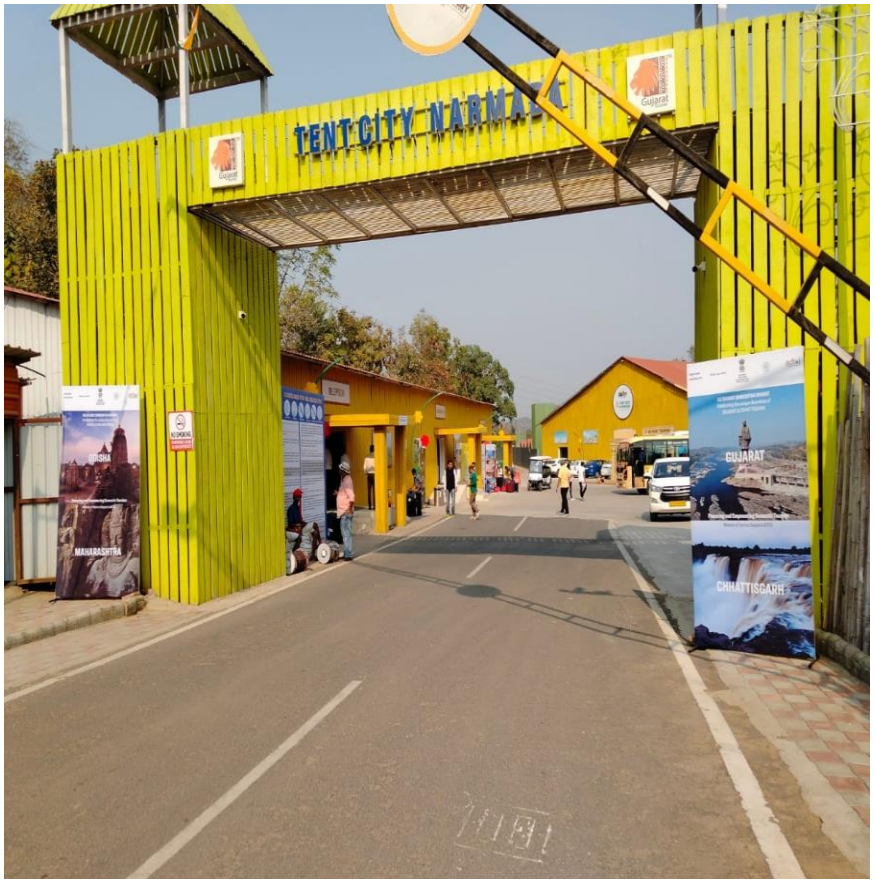
TENT CITY NARMADA
ODISHA
MAHARASHTRA
GUJARAT
CHHATTISGARH

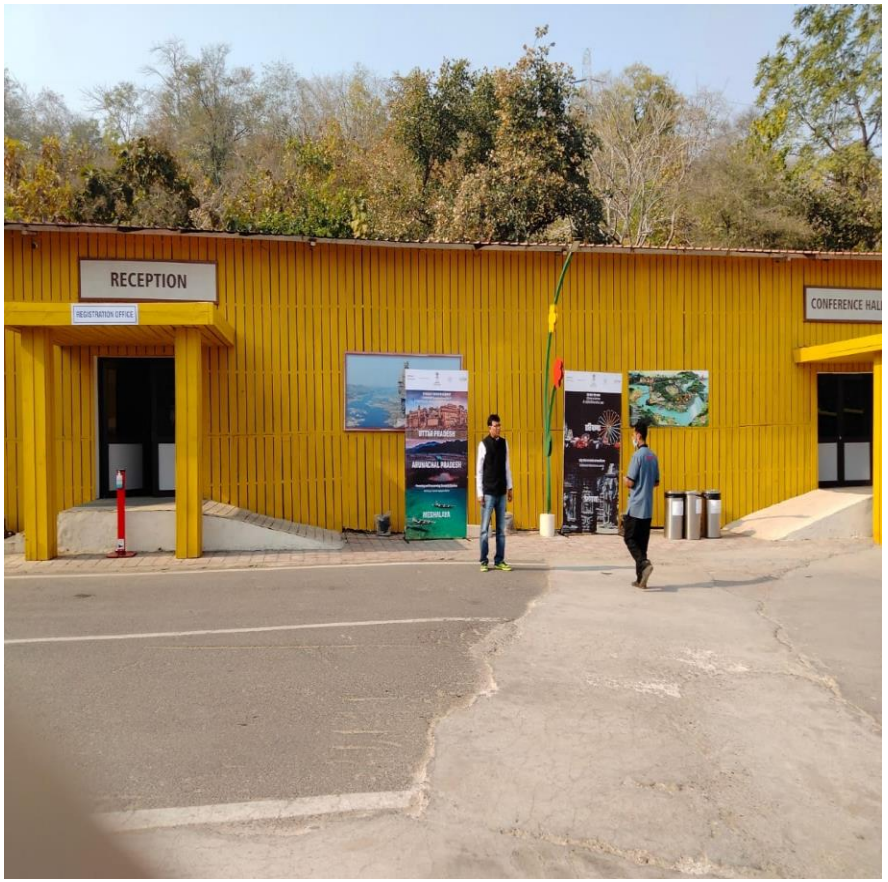
RECEPTION
REGISTRATION OFFICE
CONFERENCE HALL
UTTAR PRADESH
ARUNACHAL PRADESH
MEGHALAYA

PRESS COVERAGES FROM CHHATTISGARH

अंतरराष्ट्रीय उड़ानों पर पाबंदी जल्द खत्म होने के आसार

बातचीत

- पिछले साल की तुलना में पर्यटन का बजट 62% बढ़ा
- छत्तीसगढ़ अपनी योजनाओं को लेकर सामने आता है तो उसे भी मिलेगी केंद्रीय मदद

नवभारत न्यूज | केवड़िया (गुजरात)
www.navabharat.news

केंद्रीय पर्यटन सचिव अरविंद सिंह का कहना है कि भारत में कोरोना संक्रमण के घटते मामलों को देखते हुए उम्मीद है कि जल्द ही अंतरराष्ट्रीय उड़ानों पर लगी बंदिशों में रियायत मिलना शुरू हो जाएगी. इस बारे में कई स्तरों पर गंभीर मंथन चल रहा है. पर्यटन सचिव का कहना था कि भारत सरकार का इस वक्त पूरा जोर घरेलू पर्यटन बढ़ाने पर है. छत्तीसगढ़ में पर्यटन सुविधाओं के विस्तार के बारे में उनका कहना था कि अगर छत्तीसगढ़ सरकार अच्छा प्रस्ताव लेकर आती है, तो निश्चित रूप से उसे भी केंद्र सरकार की पर्यटन प्रोत्साहन योजनाओं का लाभ मिलेगा.

15 हजार करोड़ है बजट

अरविंद सिंह भारतीय टूर ऑपरेटर्स एसोसिएशन के तीन दिवसीय सम्मेलन का उद्घाटन करने गुजरात की केवड़िया टैट सिटी में आए हुए थे. केवड़िया में ही दुनिया की सबसे ऊंची प्रतिमा स्टेचू ऑफ यूनिटी है. शनिवार को पत्रकारों से बातचीत में उन्होंने बताया कि इस साल केंद्र सरकार ने पर्यटन विभाग के बजट में 61% की वृद्धि की है और इसका एक बड़ा हिस्सा लगभग 15 हजार करोड़ रुपए पर्यटन से जुड़े इंफ्रास्ट्रक्चर पर खर्च किया जाना है. पर्यटन की सुविधाओं को बढ़ाने कुछ साल पहले शुरू की गई स्वदेश दर्शन योजना की समीक्षा होगी कि इस स्कीम का अपेक्षित लाभ क्यों नहीं मिला.

विदेशी पर्यटन में जोखिम की चिंता

विदेशी पर्यटकों के लिए अंतरराष्ट्रीय उड़ाने चालू करने के बारे में और उनका कहना था कि भारत में आने वाले पर्यटकों की एक बड़ी संख्या अमेरिका, यूरोप और ब्रिटेन से आती है, लेकिन दुर्भाग्य से ये ऐसे इलाके हैं, जहां पर कोरोना संक्रमण के नए मामले सबसे ज्यादा मिल रहे हैं. यही वजह है कि अंतरराष्ट्रीय उड़ानों को मंजूरी देने के मामले में सरकार बहुत संभल कर फैसला लेना चाहती है. कोरोना वायरस वैक्सीन तैयार हो जाने के बाद भारत के लोगों में एक विश्वास जागा है. इसका साफ असर घरेलू पर्यटन पर दिख रहा है. देश की अर्थव्यवस्था पटरी पर लाने पर्यटन उद्योग अहम है. लगभग 12% रोजगार यही क्षेत्र देता है.

घरेलू पर्यटन को बढ़ाने पर पूरा जोर

अरविंद सिंह का कहना था कि सरकार का पूरा जोर घरेलू पर्यटन को ज्यादा से ज्यादा बढ़ाने पर है. इसके लिए देखो अपना देश इस थीम के साथ प्रयास किए जा रहे हैं.

जीएसटी घटाने पर शीघ्र फैसला

पर्यटन सेक्टर पर लगने वाले जीएसटी की दरों को घटाने की मांग पर उनका कहना था कि इस बारे में जीएसटी परिषद ही फैसला कर सकती है.

विमानन बाजार को और बड़ा करने की कवायद

अरविंद सिंह ने कहा कि कोरोना संकट के पहले तक भारत विमानन क्षेत्र में अमेरिका और चीन के बाद दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा बाजार था पर विमानों की संख्या देखी जाए तो अमेरिका में 5000 विमान है और भारत में करीब 600। इस फर्क को मिटाना है. इसे आने वाले वक्त में दो हजार विमान करने का लक्ष्य है. अगले कुछ सालों में देश में लगभग 100 छोटे-बड़े एयरपोर्ट बनाने की तैयारी है.

ढाई साल में 50 लाख से ज्यादा पर्यटकों ने देखा

दुनिया की सबसे विशाल प्रतिमा दिखाती है भारत की ताकत

लौह पुरुष सरदार पटेल की प्रतिमा को बनाने में लगे 5 साल

केवड़िया प्रोजेक्ट में लोकल फॉर वोकल सबसे बड़ी ताकत

लग्जरी टेंट सिटी वेडिंग डेस्टिनेशन के रूप में भी तैयार की गई

स्टेच्यू ऑफ यूनिटी

बना गुजरात पर्यटन का आधार

आसपास के आदिवासी ही हैं पूरे प्रोजेक्ट का अहम हिस्सा

सरदार पटेल की प्रतिमा दरअसल एक सोच है, जो भारत और गुजरात की ताकत को दिखाती है.

दुनिया की सबसे ऊंची प्रतिमा

2989 करोड़ रुपए लागत

500 फीट की ऊंचाई पर बना है डेक. सरदार सरोवर बांध का मिलता है शानदार नजारा

1700 टन वजनी

90 हजार मीट्रिक टन सीमेंट लगा

25 हजार टन लोहे का इस्तेमाल

उदयपुर से अहमदाबाद के लिए सुबह उड़ान भी उपलब्ध. अहमदाबाद से केवड़िया तक सी प्लेन सुविधा भी

दुनिया की 6 सबसे ऊंची प्रतिमाएं

1. स्टेच्यू ऑफ यूनिटी – 182 मीटर ऊंचाई, 2018 में बनकर तैयार हुई
2. स्प्रिंग टैंपल बुद्धा, चीन, 153 मीटर, 2008 में बनकर तैयार हुई
3. उशिकु दाइ बुत्सु, भगवान बुद्ध की प्रतिमा, जापान, 120 मीटर ऊंची, 1993 में बनकर तैयार हुई
4. स्टेच्यू ऑफ लिबर्टी, अमेरिका, 93 मीटर, 1886 में बनी
5. द मदरलैंड कॉल्स, रूस, 85 मीटर ऊंची, 1967 में बनी
6. क्राइस्ट दी रिडीमर, 38 मीटर, 1931 में बनी

[illegible]

अहमदाबाद से करीब दो सौ किलोमीटर दूर केवड़िया को कुछ सालों पहले कोई जानता तक नहीं था. सरदार सरोवर के पास बने इस टापू पर मुश्किल से ही कुछ सुविधाएं थीं. पर अगर मजबूत इरादे और सोच हो, तो उसके साथ किस तरह का बड़ा बदलाव किया जा सकता है, उसका शानदार उदाहरण केवड़िया है. एक टापू को देश के चंद सबसे ज्यादा लोकप्रिय पर्यटन स्थलों में शामिल होने की यात्रा चौंकाती है. केवड़िया की पहचान आज पूरी दुनिया के पर्यटन नक्शे पर है. यहां बनी लौहपुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल की विशाल प्रतिमा सेटेलाइट तस्वीरों में भी अपनी विशालता को दिखाती है. 182 मीटर ऊंची यह प्रतिमा दुनिया की सबसे ऊंची प्रतिमा है और इसने अपने साथ पूरे इलाके को बदल दिया है. नरेंद्र मोदी ने अक्टूबर 2013 में इस प्रतिमा का शिलान्यास किया था, जब वह गुजरात के मुख्यमंत्री थे.

पूरा टूरिस्ट पैकेज

केवड़िया के साथ सबसे बड़ी खासियत उसका टूरिस्ट पैकेज है. यहां केवल स्टेच्यू ऑफ यूनिटी नहीं है. सरदार पटेल की विशाल प्रतिमा के अलावा यहां सरदार सरोवर बांध में क्रूज की यात्रा, एडवेंचर वॉटर स्पोर्ट्स, फूलों की विशाल नर्सरी, तितली उद्यान भी है. साथ ही विशाल जंगल सफारी है, जिसमें देश-विदेश की 2 सौ से ज्यादा प्रजातियों के वन्य प्राणी हैं. विशाल डोमनुमा पिंजरे में विभिन्न प्रजातियों के पक्षियों के आवास हैं. पिंजरे के अंदर जाते ही जब तोते और अन्य पक्षी आपके आसपास से उड़ते हुए निकलते हैं, तो यह अनुभव अलग ही आनंद देता है. 200 एकड़ से ज्यादा बड़े इलाके में छह महीने के रिकार्ड समय में यह जंगल सफारी तैयार हुई. मोटे शीशे की दीवार के पीछे कुछ इंच की दूरी पर बाघ को महसूस करना हो, तो केवड़िया के जू में आपका स्वागत है. केवड़िया सिटी में ही एडवेंचर वॉटर स्पोर्ट्स की सुविधा भी पर्यटकों के लिए उपलब्ध कराई गई है. सरदार सरोवर बांध के साथ-साथ साइकिलिंग का अनुभव लेना हो, तो केवड़िया सिटी में आपका स्वागत है.

रोमांचक लेजर शो

दिन ढलने के बाद सरदार पटेल की प्रतिमा पर पड़ने वाली लेजर किरणों के साथ लौह पुरुष की पूरी कहानी हर किसी को रोमांच से भर देती है. विदेश से लौटने वाले युवा सरदार पटेल की स्वतंत्रता आंदोलन में भूमिका से लेकर देश की आजादी के बाद भारत को एक देश का स्वरूप देने की जद्दोजहद एक नई दृष्टि देती है.

कैसे पहुंचें

अहमदाबाद या वडोदरा से सड़क के रास्ते

देश के आठ शहरों से केवड़िया के लिए सीधी ट्रेन

प्रतिमा के पास दो लग्जरी टेंट सिटी भी हैं. टेंट सिटी 1 में कुल 58 और टेंट सिटी 2 में 195 टेंट हैं. इसमें एसी से लेकर सारी अत्याधुनिक सुविधाएं हैं.

3 तरह के टिकट

केवड़िया में स्टेच्यू ऑफ यूनिटी और अन्य पर्यटन स्थलों के लिए गुजरात पर्यटन ने तीन टिकटें रखी हैं. 150 रुपए, 380 रुपए और एक्सप्रेस एंट्री वाली 1030 रुपए की टिकट.

इस प्रतिमा की [illegible] जब आपको पता चलता है कि सरदार पटेल की प्रतिमा के अंगूठे का नाखून भी आपसे लगभग दो गुना बड़ा है.

हर राज्य को जगह

केवड़िया में हर राज्य को अपने भवन बनाने के लिए जगह दी जा रही है, ताकि वह अपने राज्य के लोगों के ठहरने की व्यवस्था कर पाए. हरियाणा सरकार के भवन का निर्माण भी शुरू हो गया है. इसके अलावा केवड़िया में होटलों के कम से कम 22 प्रोजेक्ट पूरे हो चुके हैं या चल रहे हैं.

1 लाख की क्षमता

केंद्रीय पर्यटन सचिव अरविंद सिंह का कहना है कि पिछले ढाई सालों में 50 लाख से ज्यादा लोग स्टेच्यू ऑफ यूनिटी को देखने आ चुके हैं. कोरोना संकट खत्म होने के बाद उनको उम्मीद है कि बेहतर सुविधाओं की वजह से रोज आने वाले पर्यटकों की संख्या एक लाख तक हो सकती है.

केवड़िया एक उदाहरण: बरार

केंद्रीय पर्यटन मंत्रालय में एडीजी रुपिंदर बरार मानती हैं कि पर्यटन स्थल से किसी इलाके की सामाजिक और आर्थिक स्थिति को किस तरह बदला जा सकता है, उसका सबसे अच्छा और आदर्श उदाहरण केवड़िया है. प्रोजेक्ट ने केवड़िया के आसपास रहने वाले हजारों आदिवासियों को रोजगार के बेहतर अवसर प्रदान किए.

विरासत को ताकत बनाया: ममता वर्मा

गुजरात की प्रमुख सचिव पर्यटन ममता वर्मा का कहना है कि हमने अपनी विरासत को भी पर्यटन का आधार बनाया. हेरिटेज पॉलिसी इसका सबसे शानदार उदाहरण है. [illegible]

STATUE OF UNITY
A SIGHT TO BEHOLD WITH PICTURESQUE VIEWS

Kevadia: Having a vision and goal to create and meet up imagination for serenity and comfort close to nature, the Statue of Unity, standing at 182 meters tall and built near the Sardar Sarovar Dam in the Narmada district in Gujarat and the Tent City, Narmada nearby, is perhaps the best example of good attraction to domestic and international tourists and utilize unexplored areas. It also acts as a catalyst for overall socio-economic development of the region and generates new employment and business opportunities and source of revenue generation for the state tourism industry.

Sameer Shukla, Central Chronicle News

Over 50 lakh people visited Statue of Unity: Tourism Ministry

The Secretary Union Ministry of Tourism **Arvind Singh**, Secretary said that over 50 lakh people have visited the Statue of Unity at Kevadia so far and added that once the pandemic situation improves, the site could expect over 1 lakh visitors every day. Singh was speaking at the Association of Domestic Tour Operators (ADTOI) annual convention in Kevadia recently.

Rupinder Brar, ADG, Ministry of Tourism, said Kevadia is an ideal example of how tourism can completely turn around the socio-economic situation of a region, generating employment opportunities for thousands of tribals in and around Kevadia.

Developing heritage tourism as per state's policy

The Principal Secretary Tourism **Mamta Verma** said that they are developing assets in the tourism sector and also the heritage tourism as per state's policy. The main aspects of the Statue of Unity is to provide employment to local youths and take up tourism to unexplored sectors in the state, she added.

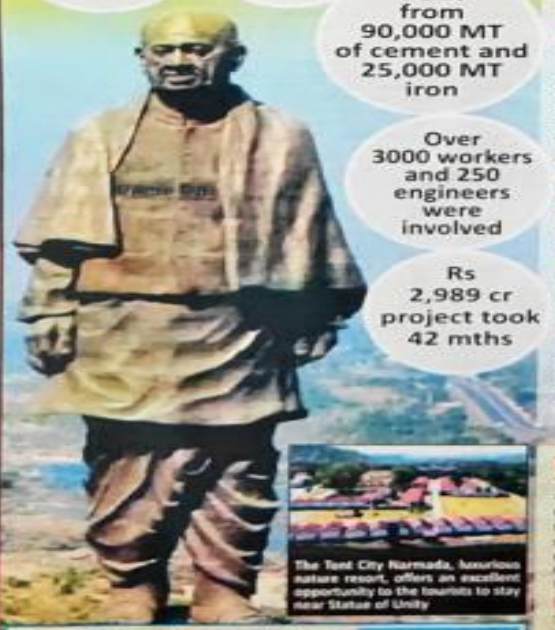

The Tent City Narmada, luxurious nature resort, offers an excellent opportunity to the tourists to stay near Statue of Unity

Seaplane Ahmedabad to Statue of Unity

The Gujarat State government has announced that the seaplane service to provide air connectivity from Sabarmati Riverfront in Ahmedabad to Statue of Unity in Kevadia. Initially daily two flights will be flying between Ahmd-Statue of Unity.

Statue of Unity tour timings:

Statue of Unity is open for 6 days a week Tuesday to Sunday from 8:00 am to 6:00 pm | Closed for tourists every Monday

Major Attractions are:

Laser Light and Sound Show: A Light and Sound show using laser technology projected on the Statue of Unity takes place every evening except Monday. The colourful laser lighting system is accompanied by an excellent narration of the history and life of Sardar Patel. It can be viewed from 7:30 PM onwards daily, except on Mondays.

Tour of Valley of Flowers: The Valley of Flowers (also known as Bharat Van), is spread across 24 acres of land and is a haven for colorful flowering plants along the bank of river Narmada. The Valley of Flower began with 48,000 plants in 2016 and has now reached up to 22,00,000 plants.

Cruise Boat: The Cruise takes tourist on detour of the river and rotates around the Statue of Unity and comes back with tourist from other dockyard in front of the Statue. It is almost half-an-hour ride on one side and is accompanied with light music and colourful balloons and sitting arrangements on top of the deck.

Cactus Garden: The Cactus Garden is a unique botanical garden at the Statue of Unity site, created to exhibit a huge variety of Cacti and succulents, the true miracles of adaptation. There are 6 lakh plants of 450 species spread across 25 acres of open land and inside the dome having an area of 836 square metres.

Dino Trail: A replica of the endemic dinosaur with the distinctive horn is created and exhibited for the visitors. The replica is about three times the estimated-original size; it measures 75 feet in length and 25 feet in height.

Ekta Food Court: Ekta food court covering an area of 1617 square metre, has been developed near Statue of Unity. This Food Court is built as per international standards, with seating capacity for 650 people. The Food Court offers the best of both international and Indian cuisines.

Jungle Safari: A state-of-art zoological park with unique collection of indigenous and exotic animals and birds from the various biogeographic regions of the world. This zoo will take you through an adventurous and exciting trip of watching wildlife, enjoying scenic beauty of the hills and entertaining experiences of a lifetime.

Transportation:

The Statue is connected to major cities by two state highways Ahmedabad and Baroda.

Connectivity from Raipur:

From Raipur via Ahmedabad Airport with morning flight and then it is 4 hr run by road on Express Highway. By Train also one can go upto Ahmedabad or Baroda (around 90 kms) and then go to Kevadia by road Express Highway. Kevadiya Railway Station has been recognised as nation's first 'Green Railway Station' as certified by the Indian Green Building Council.

Indian Railways launch Vistadome coaches:

Travel to Statue of Unity: Indian Railways has begun Ahmedabad - Kevadiya Jan Shatabdi Special Express with Vistadome coaches that have AC Chair car Executive Class, AC chair car and Non AC chair car coaches.

People can now board trains from Mumbai, Delhi, Chennai, Varanasi, Madhya Pradesh's Rewa, Ahmedabad, and Uttar Pradesh's Pratapgarh to travel to the Statue of Unity.

PRESS COVERAGES FROM OTHER STATES

जल्दी ही फिर जोर पकड़ेगा पर्यटन व्यवसायः प्रमुख सचिव

प्रातःकाल संवाददाता

केवडिया। गुजरात के नर्मदा जिले में केवडिया स्थित विश्व की सबसे ऊंची सरदार वल्लभ भाई पटेल की मूर्ति (स्टेच्यू ऑफ युनिटी) एवं आस पास का पर्यटन स्थल पर्यटकों के आकर्षण का केंद्र बन चुके है। धीरे धीरे लोग इस स्थलों की ओर पहुँच भी रहे है। यहां के टेंट सिटी में एसोसिएशन ऑफ डॉमेस्टिक टूर ऑपरेटर ऑफ इंडिया (एडीटीआईओ) के तत्वावधान में तीन दिवसीय वार्षिक अधिवेशन रविवार को संपन्न हुआ। यहां के कॉन्फ्रेंस हॉल में आयोजित पत्रकार वार्ता में भारत सरकार के मुख्य पर्यटन सचिव अरविंद सिंह ने कहा कि भारत सरकार पर्यटकों को आकर्षित करने के लिए एक भारत श्रेष्ठ भारत की तर्ज पर विभिन्न योजनाओं का क्रियान्वयन कर रही है। इसके लिए बजट में 2207 करोड रुपए भी दिए हैं, जो पिछले वर्ष की तुलना में 61 प्रतिशत अधिक है। इससे पर्यटन व्यवसाय गति पकड़ेगा एवं अनेक रोजगार के अवसर पैदा होंगे। भारत सरकार का पर्यटन मंत्रालय इस बजट से इंफ्रास्ट्रक्चर के साथ मूलभूत सुविधाओं पर बल दे रहा है। पर्यटकों को आवाजाही में बल मिला है, वहीं ग्रामीण क्षेत्रों में टूरिज्म को बढ़ावा देने के लिए मोदी जी देखो अपना देश के तहत बढ़ावा दे रहे है। पर्यटन स्थलों तक पहुंचने के लिए भी अच्छी सुविधाओं पर जोर दिया जा रहा है। आत्मनिर्भर भारत के तहत विभिन्न कार्य किए जा रहे हैं। बजट से पूर्व होटल व्यवसाय में भी जीएसटी में 28 प्रतिशत से कटौती कर 18 एवं 12 प्रतिशत तक लाया गया है। बजट में पर्यटन स्थलों के लिए जो राशि प्रदान की गई है ,वह इन स्थानों के इंफ्रास्ट्रक्चर से लगाकर कई योजनाओं में खर्च की जाएंगी। कोविड-19 महामारी के बाद पर्यटन स्थलों को बढ़ावा देने के लिए और रोजगार के सुअवसर प्रदान करने के लिए सरकार नई योजनाओं के साथ कार्य कर रही हैं। प्रमुख सचिव ने आशा व्यक्त की कि सरकार की मूलभूत सुविधाओं के कारण जल्दी ही लोग पर्यटन स्थलों की ओर फिर से आकर्षित होंगे। इस अवसर पर अपर महानिदेशक (मीडिया और कम्युनिकेशन) नानू भसीन भी उपस्थित थी।

दैनिक भास्कर

नई दिल्ली 17-02-2021

भास्कर खास • वैक्सीन रोलआउट होने और अंतरराष्ट्रीय ट्रैवल पर प्रतिबंध से कंपनियां उत्साहित

टूरिज्म इंडस्ट्री को उम्मीद इस साल रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच सकता है घरेलू पर्यटन, हिमाचल और गोवा जैसे राज्यों में अभी से रौनक

बिजनेस संवाददाता | केवडिया (गुजरात)

कोरोना के चलते बीते साल बुरी तरह नुकसान उठाने वाली घरेलू टूरिज्म इंडस्ट्री को अब आशा का उम्मीद नजर आने लगी है। देश में वैक्सीन लगने की प्रक्रिया शुरू होने और अंतरराष्ट्रीय टूरिज्म पर बैन घरेलू टूरिज्म इंडस्ट्री को उम्मीद है कि इस साल घरेलू टूरिज्म रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच सकता है। जानकारों का कहना है कि जम्मू-कश्मीर, हिमाचल और गोवा जैसे राज्यों में अभी से असर दिखने लगा है।

वर्ष 2019 में देश में कुल 230 करोड़ घरेलू पर्यटकों ने ने देश के विभिन्न स्थानों में भ्रमण किया था। हालांकि, 2020 में कोरोना की वजह से यह संख्या बुरी तरह गिर गई।

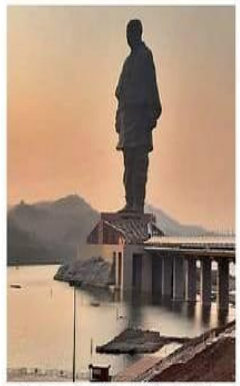

वर्ष 2020 के अंतिम महीनों में डोमेस्टिक टूरिज्म ने फिर से रफ्तार पकड़ी, जो अब भी जारी है। एसोसिएशन ऑफ डोमेस्टिक टूर ऑपरेटर्स ऑफ इंडिया (एडीटीओआई) के प्रेसिडेंट पीपी खन्ना ने दैनिक भास्कर से बातचीत में कहा कि लोग एक साल से घर में बंद होने से परेशान हैं और अब वह घूमना चाह रहे हैं। अंतरराष्ट्रीय विकल्प मौजूद न होने की वजह से घरेलू डेस्टिनेशन पर भीड़ बढ़ रही है। यही कारण है कि यह सीजन कश्मीर के लिए अब तक के सबसे अच्छे सीजन में से एक साबित होने जा रहा है। खन्ना ने कहा कि हमें उम्मीद है कि अप्रैल तक हालात सामान्य होंगे और ज्यादा टूरिस्ट घूमने निकलेंगे। उन्होंने कहा कि हमारा आकलन है कि इस साल हम रिकॉर्ड डोमेस्टिक टूरिज्म देख सकते हैं। वहीं, केंद्रीय पर्यटन सचिव अरविंद सिंह ने कहा कि मेट्रो शहरों के अलावा अन्य सभी जगहों पर डोमेस्टिक टूरिज्म सामान्य हो गया है या सामान्य होने जा रहा है। गोवा समेत कई राज्यों में काफी अच्छे आंकड़े आ रहे हैं। हमें उम्मीद है कि इस साल घरेलू टूरिज्म सामान्य स्तर पर लौट आएगा। सिंह ने कहा कि इंडस्ट्री को राहत देने के लिए एमएसएमई की परिभाषा में बदलाव किया गया है। इसके अलावा भी हम इंडस्ट्री के लिए जरूरी कदम उठाते रहेंगे। घरेलू टूरिज्म को रफ्तार देने के लिए गुजरात के केवडिया में केंद्रीय पर्यटन मंत्रालय, गुजरात पर्यटन मंत्रालय और एडीटीओआई ने मिलकर एक संयुक्त सम्मेलन का आयोजन किया। इसमें घरेलू टूरिज्म को बढ़ावा देने के लिए जरूरी प्रयासों पर चर्चा की गई।

PRESS INFORMATION BUREAU
पत्र सूचना कार्यालय
GOVERNMENT OF INDIA
भारत सरकार

Rashtriya Sahara, Delhi
Monday, 15th February 2021; Page: 9
Width: 28.36 cms; Height: 26.84 cms; a3r; ID: 28.2021-02-15.198

पर्यटन के लिए वीजा नियमों में होगी रियायत

■ संजय टुटेजा

नई दिल्ली। एसएनबी

सरकार कर रही है विचार, कोरोना संकट के बाद विदेशी पर्यटकों को आकर्षित करने की योजना

देश में विदेशी पर्यटकों की संख्या बढ़ाने के लिए सरकार पर्यटन वीजा देने के नियमों में रियायत देगी। केन्द्रीय पर्यटन मंत्रालय इस दिशा में विचार कर रहा है और जल्द ही इस पर अंतिम फैसला होगा। अभी हालांकि कोरोना संकट के कारण पर्यटन वीजा पर प्रतिबंध है और सरकार विदेशी नागरिकों को इस समय पर्यटन वीजा देने का जोखिम उठाना भी नहीं चाहती है लेकिन कोरोना संकट के बाद सरकार विदेशी पर्यटकों को भारत में आकर्षित करने को लेकर गंभीर है और इसे लेकर कुछ महत्वपूर्ण फैसले किए जा सकते हैं।

प्रति वर्ष लगभग 10 मिलियन से अधिक विदेशी पर्यटक भारत में आते हैं। वर्ष 2020 में कोरोना संकट के कारण समूचे विश्व में लॉकडाउन की स्थिति रही, जिसका असर पर्यटन पर भी पड़ा और बीते वर्ष पर्यटन लगभग ठप रहा। वर्ष 2019 में देश में 10.7 मिलियन पर्यटक आए थे और वर्ष 2018 की तुलना में विदेशी पर्यटकों की संख्या में 2.2 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई थी। हालांकि यह बढ़ोतरी उत्साहजनक नहीं थी क्योंकि वर्ष 2018 में विदेशी पर्यटकों की संख्या में वर्ष 2017 की तुलना में 5.5 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई थी। वर्ष 2020 में पर्यटकों की संख्या को बढ़ाने के लिए पर्यटन मंत्रालय ने रणनीति भी बनाई थी लेकिन वर्ष के शुरू में ही अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कोरोना का असर दिखाई देने लगा, नतीजतन विदेशी व घरेलू दोनों तरह का पर्यटन चौपट हो गया।

केन्द्रीय पर्यटन सचिव अरविंद कुमार ने बताया कि देश की आर्थिक विकास की दर में पर्यटन क्षेत्र का योगदान 5 से 6 प्रतिशत है। उनका कहना है कि पर्यटन के क्षेत्र में काफी संभावनाएं हैं और विदेशी पर्यटकों को आकर्षित करने के लिए भारत के पास समृद्ध सांस्कृतिक विरासत है। उनका कहना है कि सरकार घरेलू पर्यटन को बढ़ावा देने के साथ साथ विदेशी पर्यटन बढ़ाने को लेकर भी गंभीर है, लेकिन मौजूदा स्थितियों में विदेशी पर्यटकों को भारत में पर्यटन की इजाजत नहीं दी जा सकती, क्योंकि कई देशों में खतरनाक वायरस का असर है। ऐसे में विदेशी पर्यटकों को वीजा देना जोखिम होगा।

उन्होंने बताया कि कोरोना संकट के बाद देश में विदेशी पर्यटकों की संख्या बढ़े, इसके लिए देश में पर्यटन स्थलों पर बुनियादी ढांचा विकसित किया जा रहा है। एक सवाल के जवाब में उन्होंने कहा कि पर्यटन वीजा देने के नियमों में रियायत देने पर भी विचार किया जा रहा है ताकि कोरोना संकट के बाद भारत में विदेशी पर्यटकों की संख्या में बढ़ावा हो।

PRESS INFORMATION BUREAU
पत्र सूचना कार्यालय
GOVERNMENT OF INDIA
भारत सरकार

Dainik Jagran, New Delhi
Monday, 15th February 2021; Page: 11
Width: 16.43 cms; Height: 13.46 cms; a4; ID: 47.2021-02-15.91

पर्यटन को बढ़ावा | सरदार पटेल के स्मारक स्थल पर सभी राज्य बनाएंगे अपने भवन

केवडिया में होंगे अखंड भारत के दर्शन

अरविंद पांडेय • केवडिया

देश को एकता के सूत्र में पिरोने वाले सरदार पटेल की विश्व की सबसे ऊंची प्रतिमा के साथ अब केवडिया (गुजरात) में अखंड भारत के भी दर्शन होंगे। इसके तहत यहां सभी राज्यों की मौजूदगी देखने को मिलेगी। यहां सभी राज्य अपने-अपने भवनों का निर्माण करेंगे। फिलहाल इस पर काम शुरू हो गया है। उत्तर प्रदेश, हरियाणा और हिमाचल प्रदेश को यहां जमीन भी आवंटित कर दी गई है। हरियाणा ने तो अपने भवन का निर्माण शुरू भी कर दिया है।

गुजरात सरकार ने यहां भवनों के निर्माण के लिए सभी राज्यों को आमंत्रित किया है। करीब दर्जन भर और राज्यों के साथ भवन के निर्माण को लेकर बातचीत चल रही है। इनमें तमिलनाडु समेत केंद्र शासित प्रदेश जम्मू-कश्मीर और पूर्वोत्तर के कई राज्य शामिल हैं। फिलहाल केवडिया जिस तरह से पर्यटकों का एक बड़ा केंद्र बनता जा रहा है, ऐसे में आने वाले दिनों में यहां हर दिन करीब एक लाख लोगों के आने का अनुमान है। इन कवायदों को पर्यटकों को असुविधा से बचाने और देश के बाकी हिस्सों से जोड़ने की पहल से भी जोड़कर देखा जा रहा है। अभी सभी राज्यों के भवन सिर्फ दिल्ली में ही देखने को मिलते हैं। इन भवनों के जरिये देश की विविधता को भी दिखाया जाएगा। जहां सभी राज्यों की कला, संस्कृति और वेशभूषा से रूबरू होने के साथ वहां खान-पान का भी आनंद उठाया जा सकेगा।

गुजरात के केवडिया में स्थित सरदार वल्लभ भाई पटेल की स्टैच्यू (फाइल फोटो) • प्रेट

केंद्रीय पर्यटन मंत्रालय के मुताबिक एक भारत-श्रेष्ठ भारत के अभियान को इसके जरिये आगे बढ़ाया जाएगा। इसका फायदा केवडिया के साथ दूसरे राज्यों को भी मिलेगा। खास बात यह है कि केवडिया में बनने वाले सभी भवनों का निर्माण राज्यों की कला-संस्कृति के अनुरूप ही किया जाएगा।

पर्यटन-विशेष

महेश बर्दापूरकर
saptrang@esakal.com

केवडियाचं 'आत्मनिर्भर' मॉडेल

देशाला मिळणाऱ्या परकीय चलनात, रोजगारनिर्मितीत पर्यटनाचा मोठा वाटा असतो. कोरोनामुळं गेल्या वर्षभरात या उद्योगास खूप मोठा फटका बसला. यातून उभारी घेण्यासाठी पर्यटन मंत्रालयाच्या पुढाकारानं 'असोसिएशन ऑफ डोमेस्टिक टूर ऑपरेटर्स'चं तीनदिवसीय अधिवेशन गुजरातमधील केवडिया इथं नुकतंच झालं. सरदार वल्लभभाई पटेल यांचा १८२ मीटर उंचीचा जगातील सर्वांत उंच पुतळा (स्टॅच्यू ऑफ युनिटी) याच केवडियात उभारण्यात आलेला असून, त्याशिवाय अनेक उद्यानं, रिव्हर राफ्टिंग अशा प्रकल्पांच्या माध्यमातून पर्यटनविकासाचं अनोखं मॉडेल विकसित करण्यात आलं आहे. विविध योजनांच्या माध्यमातून संबंधित ठिकाणाला पर्यटनाच्या नकाशावर आणत स्थानिकांना रोजगार मिळवून देणारा हा 'आत्मनिर्भर' पॅटर्न आता देशातील १७ ठिकाणी राबवण्यात येणार आहे. पर्यटन मंत्रालयासह पर्यावरण, रेल्वे, रस्ते, पाटबंधारे अशा सर्वच मंत्रालयांनी हातात हात घालून काम केल्यास एखाद्या ठिकाणाचा सर्वांगीण विकास कसा घडतो, याचं केवडिया हे आदर्श मॉडेल ठरतं. या ठिकाणाला भेट देऊन तिथल्या वैशिष्ट्यांचा घेतलेला हा आढावा.

स्टॅच्यू ऑफ युनिटी

'स्टॅच्यू ऑफ युनिटी'च्या आतून प्रवास करण्यासाठी जगातील सर्वांत वेगवान लिफ्ट बसवण्यात आल्या आहेत. या पुतळ्याचं अनावरण ता. ३१ ऑक्टोबर २०१८ रोजी पंतप्रधान नरेंद्र मोदी यांच्या हस्ते झालं. सध्या तिथं सुटीच्या दिवशी ५० हजार, तर इतर दिवशी १५ ते २० हजार प्रेक्षक भेट देतात. संध्याकाळी तिथं होणारा लेझर, लाइट अँड साउंड शो हे मोठं आकर्षण असतं. त्याच्याच बाजूला असलेल्या 'युनिटी ग्लो गार्डन'मधील प्रकाशानं उजळलेल्या प्राणी-पक्षी-झाडं यांच्या प्रतिकृती डोळे दिपवून टाकतात.

चिल्ड्रेन न्यूट्रिशन पार्क

'मुलांनी फास्ट फूड टाळून पौष्टिक अन्न खावं' हा संदेश देण्यासाठी केवडिया परिसरात न्यूट्रिशन पार्क उभारण्यात आलं आहे. शेतीत पिकणाऱ्या अन्नापासून घरात पौष्टिक पदार्थ कसे तयार करावेत, कोणत्या ऋतूत कोणती फळं व भाज्या खाव्यात याची माहिती टॉयट्रेनमधून प्रवास घडवून आणत या पार्कमध्ये देण्यात येते. हे जगातील अशा प्रकारचं पहिलंच पार्क असून, शेवटी '७ डी' शोच्या माध्यमातून भारतातील सर्व खाद्यसंस्कृतीची अनोखी सफरही घडवून आणली जाते.

> सरदार सरोवरापाशी विकसित करण्यात आलेल्या या भागात धरणातील पाणी 'गोडबोले गेट'मधून नियंत्रित करून रिव्हर राफ्टिंगची व्यवस्था उभारली गेली आहे. पाण्याच्या नैसर्गिक प्रवाहात उभारण्यात आलेल्या धबधब्यांच्या मदतीनं इथं पाच किलोमीटरचं राफ्टिंग करता येतं, त्याचबरोबर ॲम्फी थिएटर, नर्सरी, मुलांसाठी नैसर्गिक रंगांच्या मदतीनं पेंटिंगची सोय, निसर्गशिक्षण व तंबू आणि ट्री-हाऊसमध्ये राहण्याची सोय अशा अनेक सुविधा आहेत.

जंगलसफारी

केवडियामध्ये जंगलसफारीचा आनंदही घेता येतो. इथं पक्ष्यांसाठी कृत्रिम तलाव उभारण्यात आला आहे. जगभरातल्या विविध देशांतून आणलेले पक्षी इथं पाहायला मिळतात, तसेच वाघ-सिंह, विविध जातींची हरणं, गेंडा, झेब्रा, जिराफ हे प्राणी पाहण्याची संधीही मिळते. याच्या जोडीला कॅक्टस व फुलपाखरू-गार्डन अशी आकर्षणंही या परिसरात आहेत.

टूर ऑपरेटर्सच्या प्रश्नांत लक्ष घालू : अरविंदसिंह

महाराष्ट्रात अनेक वर्षं अधिकारपदावर काम केलेले पर्यटनसचिव अरविंदसिंह यांनी अस्खलित मराठीत अनेक प्रश्नांची उत्तरं दिली. कोरोनाकाळात पुण्यातील टूर ऑपरेटर्सना भेडसावणाऱ्या समस्या 'सकाळ'नं जाणून घेतल्या होत्या.

"या समस्यांवर पर्यटन मंत्रालय काय उपाययोजना करत आहे," या प्रश्नावर अरविंदसिंह म्हणाले : "आम्ही टूर ऑपरेटर्सच्या समस्या सोडवण्यासाठी अनेक पावलं उचलली आहेत. ऑपरेटर्सनी आणखी काही समस्या निदर्शनास आणून दिल्यास आम्ही त्या सोडवण्याचा प्रयत्न करू."

"केवडियाचं मॉडेल यशस्वी होण्यामागं केंद्र व गुजरात राज्याचे प्रयत्न खूप महत्त्वाचे ठरले," असं स्पष्ट करून अरविंदसिंह म्हणाले : "हे मॉडेल आम्ही देशातील १७ विविध ठिकाणी आता राबवणार आहोत. यातून मोठ्या प्रमाणात रोजगारनिर्मिती होईल. केवडियात १२ हजार लोकांना प्रत्यक्ष रोजगार मिळाला आहे. केवडियाला येण्यासाठी मुंबई, दिल्ली, अहमदाबाद, चेन्नई इथून खास ट्रेनही सुरू झाल्या आहेत."

'रहस्य' गोडबोले-गेटचं

केवडियामध्ये फिरताना तिथल्या प्रत्येकाच्या तोंडी 'गोडबोले-गेट'चा उल्लेख होत होता. त्याला 'गोडबोले-गेट' का म्हणतात आणि 'हे मराठी गोडबोले कोण,' हे मात्र कुणालाही सांगता येत नव्हतं. अनेक ठिकाणांहून माहिती घेतल्यानंतर 'गोडबोले गेट्स' ही महाराष्ट्रातील कंपनी असल्याचं स्पष्ट झालं. त्यांना फोन केला. कंपनीचे संचालक प्रशांत गोडबोले यांनी फोन उचलला आणि गोडबोले-गेटचा इतिहास सांगितला.

ते म्हणाले : "बहुतांश धरणांचे दरवाजे विजेवर चालतात. मात्र, 'गोडबोले-गेट्स'ला वीज लागत नाही, ते फक्त प्रेशरवर काम करतात. माझे वडील प्रभाकर गोडबोले यांचं हे संशोधन असून, त्यांना १९८० मध्ये त्याचं पेटंट मिळालं. इतर धरणांप्रमाणे सरदार सरोवराचं सर्व पाणी थेट कालव्यांत जात नाही. तिथल्या टोपोग्राफीचा वापर करून तीन छोट्या तलावांत पाणी साठवलं जातं व त्यांवर 'गोडबोले-गेट्स' बसवली आहेत. परिसरातील नागरिकांना पिण्याचं पाणी पुरवण्यासाठी या तलावांचा वापर होतो. तळी भरल्यानंतर हे दरवाजे आपोआप उघडले जातात. या दरवाजांमध्ये सुधारणा करून आम्ही ते मॅन्युअली उघडण्याची सुविधाही दिली आहे. याचा उपयोग करून रिव्हर राफ्टिंगसाठी पाणी पुरवलं जातं."

महाराष्ट्रात १८ ठिकाणी, तसेच देशभरात शंभरपेक्षा अधिक गेट्स बसवली आहेत, अशी माहितीही गोडबोले यांनी दिली.

STATUE OF UNITY

Kevadiya emerges as 'tallest' tourist destination

SWAPNIL MISHRA | Mumbai

Goa, Lonavala, Mahabaleshwar, Matheran and Saputara are now passé as India has now got a new tourist attraction in the form of the Statue of Unity, the world's tallest statue which is located 420 kilometres away from Mumbai in Kevadiya, Narmada district, Gujarat. Kevadiya is no longer a small place in a remote area in Gujarat. It has now emerged as one of the biggest tourist destinations in the world. More than 50 lakh visitors have come to see the Statue of Unity after it was dedicated to the nation.

As of February 2, more than 3,000 passengers from Mumbai have travelled to Kevadiya since the train started on January 17.

On January 16, Prime Minister Narendra Modi inaugurated a new station building in Kevadiya which is the first green station. He also flagged off eight special trains leaving Kevadiya from Varanasi, Dadar, Ahmedabad, Hazrat Nizamuddin, Rewa, Chennai and Pratapnagar.

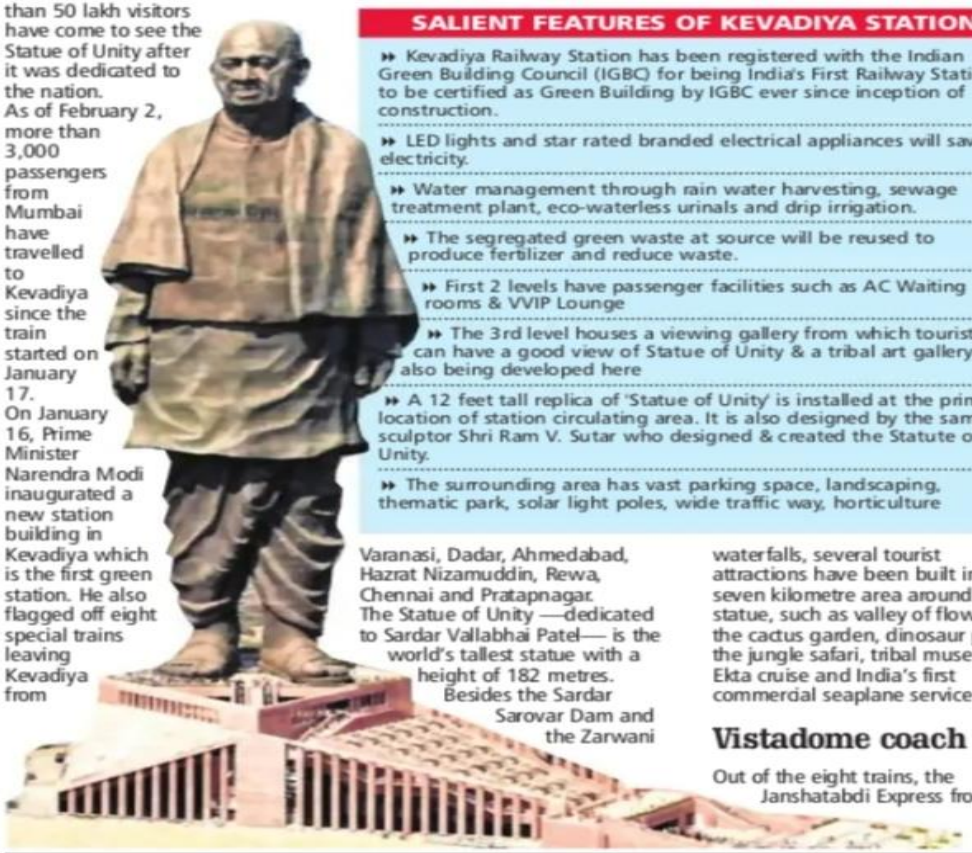

The Statue of Unity —dedicated to Sardar Vallabhai Patel— is the world's tallest statue with a height of 182 metres. Besides the Sardar Sarovar Dam and the Zarwani waterfalls, several tourist attractions have been built in the seven kilometre area around the statue, such as valley of flowers, the cactus garden, dinosaur park, the jungle safari, tribal museum, Ekta cruise and India's first commercial seaplane service.

SALIENT FEATURES OF KEVADIYA STATION

- Kevadiya Railway Station has been registered with the Indian Green Building Council (IGBC) for being India's First Railway Station to be certified as Green Building by IGBC ever since inception of construction.
- LED lights and star rated branded electrical appliances will save electricity.
- Water management through rain water harvesting, sewage treatment plant, eco-waterless urinals and drip irrigation.
- The segregated green waste at source will be reused to produce fertilizer and reduce waste.
- First 2 levels have passenger facilities such as AC Waiting rooms & VVIP Lounge
- The 3rd level houses a viewing gallery from which tourists can have a good view of Statue of Unity & a tribal art gallery is also being developed here
- A 12 feet tall replica of 'Statue of Unity' is installed at the prime location of station circulating area. It is also designed by the same sculptor Shri Ram V. Sutar who designed & created the Statute of Unity.
- The surrounding area has vast parking space, landscaping, thematic park, solar light poles, wide traffic way, horticulture

Vistadome coach

Out of the eight trains, the Janshatabdi Express from Ahmedabad has a Vistadome coach, which is gaining a lot of attention. Sumit Thakur, chief public relation officer, Western Railway said the Vistadome coach in the Janshatabdi Express has been manufactured at the Integral Coach Factory in Chennai, Tamil Nadu. It is for the first time that the Vistadome coach has been made on the Linke Hofmann Busch (LHB) platform, made for passenger coaches for trains in India.

"Some of the features of the Vistadome coach are an observation lounge with a large window for passengers to experience the scenic route to Kevadia. The 44 recliners with 180 degree rotatable seats ensure people can enjoy the view from both windows to their right and left. There are automatic sliding doors at both gates of the coach. Glass rooftops offer a panoramic view and there are five large windows on each side," he said.

Equipped with modern facilities

Kevadia station, located just five kilometres from the 'Statue of Unity, is being equipped for the convenience of tourism. Modern facilities have been made available at the station for all children, old and young people with disabilities. Moreover, in front of the station, there is a Statue of Unity dedicated to Sardar Vallabhai Patel, which is 12 meters tall and built by the same sculptor Ram Sutar. Passengers can also get a panoramic view of the Statue of Unity from the viewing gallery built at the station. "Rail connectivity to Kevadia station has become available for travellers and tourists coming from different parts of the country to visit important places. Moreover, it will not only boost the economy, but also create new tourism and employment opportunities in Kevadia," said Thakur.